भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते INDIA

हरियाणा HARYANA

A 216691

विक्रय पत्र मुबलिग–24,00,000/–रूपये, स्टाम्प मुबलिग–1,68,000/–रूपये
दिनांक स्टाम्प 14–03–2013, क्रमांक 15063, जिला खजाना फरीदाबाद

मैं अनिल सुडानी सुपुत्र श्री एम0 एल0 सुडानी (मदन लाल सुडानी), निवासी 23, आनन्दलोक, नई दिल्ली–49 का हूं ।

–शेष पृष्ठ 2 पर जारी–

Scanned by CamScanner

No. 5063 Date 14-3-13 Rahul Goyat S/o Bhagat Singh

Name: Rahul Goyat S/o

r/o: FBD

for S/deed Rs.: 2400000/-

Seller of Land Sh.: Anil Sudani

5067

Distt. Treasurer
Treasury, Faridabad

दिनांक 14/03/2013

डीड सबंधी विवरण

SALE WITH IN MC AREA

स्थित अनखीर

तहसील/उप-तहसील फरीदाबाद

गांव/शहर अनखीर

भवन का विवरण

भूमि का विवरण

7 Kanal 16 Marla

पहाड़

धन सबंधी विवरण

राशि 2,400,000.00 रुपये

स्टाम्प की राशि 168,000.00 रुपये

कुल स्टाम्प ड्यूटी की राशि 168,000.00 रुपये

रजिस्ट्रेशन फीस की राशि 12,500.00 रुपये

पेस्टिंग शुल्क 3.00 रुपये

Service Charge: 200.00 रुपये

Drafted By: M.K Gaur ADV

यह प्रलेख आज दिनांक 14/03/2013 दिन गुरूवार समय 11:23:00AM बजे श्री/श्रीमती/कुमारी Anil Sudani पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी M.L Sudani निवासी fbd द्वारा पँजीकरण हेतु प्रस्तुत किया गया।

उप/सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
फरीदाबाद

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता

श्री Anil Sudani

उपरोक्त विक्रेता व श्री/श्रीमती/कुमारी Rahul Goyat क्रेता हाजिर है। प्रस्तुत प्रलेख के तथ्यो को दोनो पक्षो ने सुनकर तथा समझकर स्वीकार किया। प्रलेख के अनुसार 0.00 रूपये की राशि क्रेता ने मेरे समक्ष विक्रेता को अदा की तथा प्रलेख मे वर्णित अग्रिम अदा की गई राशि के लेन देन को स्वीकार किया।

दोनो पक्षो की पहचान श्री/श्रीमती/कुमारी M.c Saxena पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Adv निवासी fbd व श्री/श्रीमती/कुमारी Vijay kumar पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Suraj pal निवासी fbd ने की।

साक्षी न: 1 को हम नम्बरदार/अधिवक्ता के रूप में जानते है तथा वह साक्षी न:2 की पहचान करता है।

दिनांक 14/03/2013

THE SEAL OF THE SUB REGISTRAR
सब रजिस्ट्रार फरीदाबाद

उप/सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
फरीदाबाद

M.C. SAXENA
ADVOCATE
Distt. Court, Sec. 12,
Faridabad

Vijay

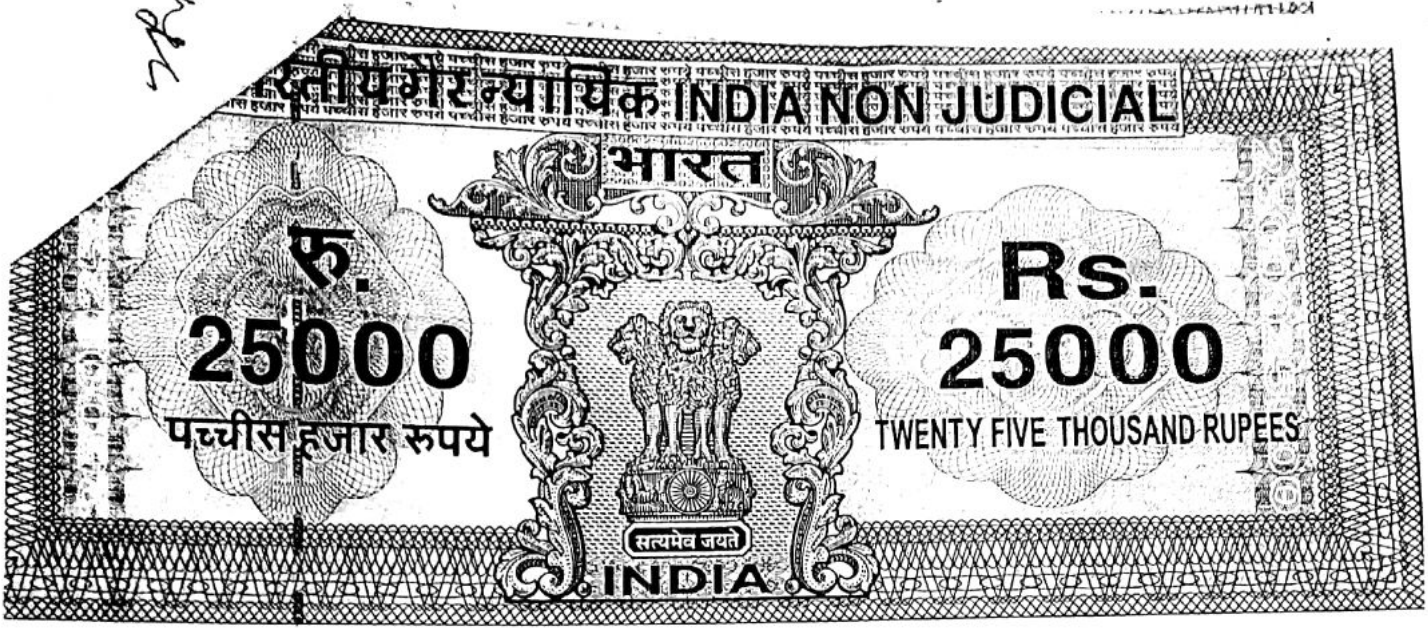

हरियाणा HARYANA

A 216690

यह कि मौजा अनखीर, तहसील व जिला फरीदाबाद, हरियाणा राज्य में स्थित गैर मुमकिन पहाड़ खेवट नम्बर 208/182 मिन, खतौनी नम्बर 247, मु0न0 7, कीला नम्बर 6/2(0—12), 7/2(6—19), 8(8—0), 9(7—17), 10(7—12), 11(8—0), 12(8—0), 13(8—0), 14(8—0), 15/1(3—10), 17/2(7—0), 18(8—0), 19(8—0), 20(8—0), मु0न0 8, कीला नम्बर 6(6—19), 7(5—17), 8(4—11), 9(4—11), 10(6—3), 11(8—0), 12(8—0), 13(8—0), 14(8—0), 15(8—0), 16(8—0), 17(8—0), 18(8—0), 19(8—0), 20(8—0), 21/1(6—8), 22/1(6—8), 23/1(6—8), 24/1(6—8), 25/1(3—15), मु0न0 9, कीला नम्बर 6(6—11), 7(5—15), 8(4—13) 9/1(2—18), 12/2(6—0), 13(8—0), 14(8—0), 15(8—0), 16(8—0), 17(8—0) 18(8—0), 19/1(6—0), 23/2(5—9), 24/1(6—8), 25/1(6—8), किता 49, कुल रकबा 333 कनाल के 160/6828 भाग, रकबा बाकदर 7 कनाल 16 मरला (सात कनाल सोलह मरला) का मैं मालिक व काबिज/हिस्सेदार बरूवे जमाबन्दी साल 2007—2008, हूं । यह कि मैंने मौजा अनखीर के पहाड़ की सरकार द्वारा

—शेष पृष्ठ 3 पर जारी—

Scanned by CamScanner

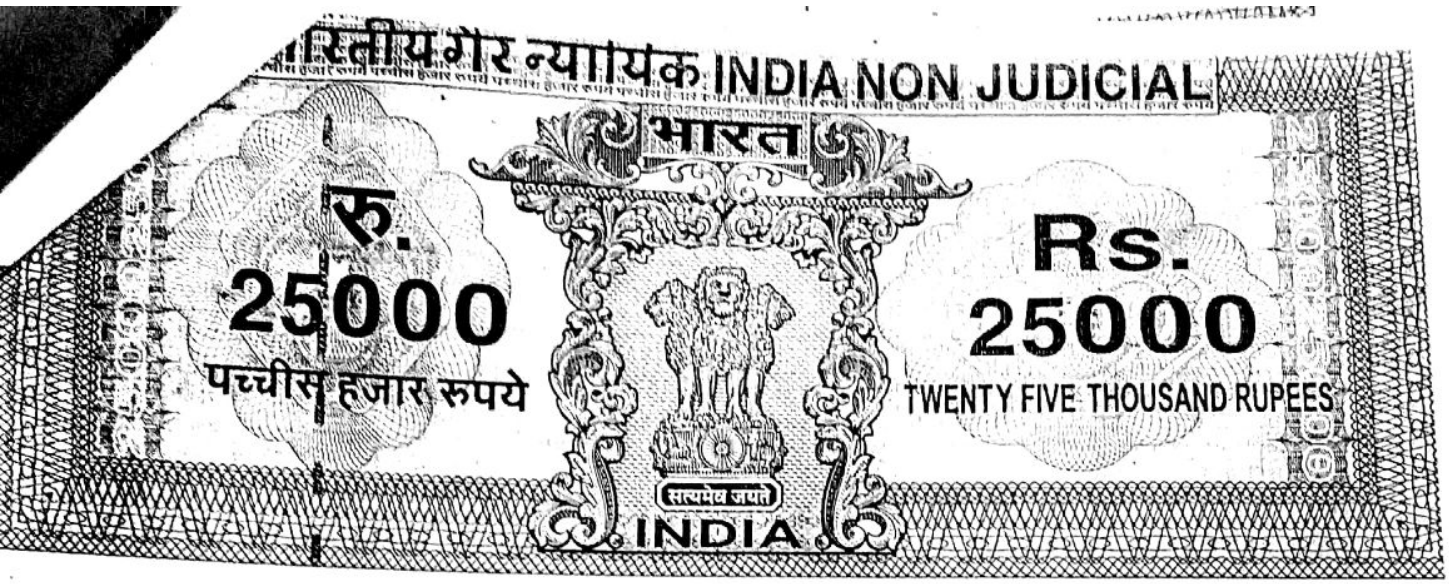

हरियाणा HARYANA

A 216689

चकबन्दी होने से पहले श्रीमती मन्जू गुप्ता पत्नी श्री अनिल कुमार, निवासी ई—66, कीरती नगर देहली से कुल रकबा आठ कनाल, बरूवे बयनामा रजि0शुदा दिनांक 28—07—1997, वसीका नम्बर 6384, दफतर सब रजिस्ट्रार फरीदाबाद, खरीद किया था और सरकार द्वारा मौजा अनखीर के पहाड़ की चकबन्दी होने के उपरान्त मुझे मेरे द्वारा खरीदे गए रकबा के एवज में कुल रकबा 7 कनाल 16 मरला प्राप्त हुआ जो वर्तमान में उपरोक्त वर्णित खेवट नम्बर नम्बर 208/182 मिन, खतौनी नम्बर 247 में स्थित है, इस प्रकार मैं उपरोक्त विवरण अनुसार कुल रकबा बाकदर 7 कनाल 16 मरला का पूर्णरूप से मालिक व काबिज हूं । मौका पर मेरा अपना ही कब्जा है । यह रकबा मेरा स्वयं का खरीदशुदा रकबा है, पैत्रिक सम्पत्ति नहीं है और यह रकबा हर प्रकार की जेरबारी, देनदारी, जमानत, कर्जा, कुर्की, डिक्री, एक्विजिशन, कोर्ट—केस, मुकदमेबाजी आदि—आदि से पाकसाफ व दोषमुक्त है । उपरोक्त वर्णित रकबा को विक्रय करनें में कोई कानूनी अड़चन नहीं है । मुझे उपरोक्त वर्णित रकबा को विक्रय करने का पूरा पूरा

—शेष पृष्ठ 4 पर जारी—

Scanned by CamScanner

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

A 216688

हरियाणा HARYANA

अधिकार प्राप्त है । अब मुझको बराये जरूरयात खानगी धन की जरूरत है, कीमत भी उचित मिल रही है । अतः मैने खूब सोच समझकर, बिना किसी बहकाव व धमकाव के, पूरे होशो हवास में, इन्द्रियों की स्वस्थ एवं चैतन्य अवस्था में, अपने व अपने परिवार के मफाद व जरूरयात को ध्यान में रखते हुए अपने उपरोक्त वर्णित सालिम रकबा बाकदर 7 कनाल 16 मरला को हर प्रकार से पाक साफ हालत में, कुल अधिकारों सहित कुल मुबलिग—24,00,000/—रूपये (मुबलिग चौबीस लाख रूपये) में पास श्री राहुल गोयत सुपुत्र श्री भगत सिंह, निवासी मकान नम्बर 342, सैक्टर—16 फरीदाबाद, तहसील व जिला फरीदाबाद, हरियाणा को विकय कर दिया है याने बेच दिया है । कुल विक्रय राशि मुबलिग—24,00,000/—रूपये (मुबलिग चौबीस लाख रूपये) बजरया आर0टी0जी0एस0, यू0टी0आर0 कोड नम्बर SBINH13035334664, दिनांक 04—02—2013, जो कि स्टेट बैंक आफ इण्डिया, सैक्टर—16 फरीदाबाद ब्रांच से चैक द्वारा जारी किया गया है, प्राप्त कर चुका हूं, विकय राशि की बावत मेरा

—शेष पृष्ठ 5 पर जारी—

Scanned by CamScanner

हरियाणा HARYANA

A 216687

किसी भी प्रकार का कोई भी लेन देन खरीद्दार की तरफ बकाया नहीं रहा है । कब्जा मौका पर उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति का हर किस्म से पाकसाफ हालत में हवाले खरीद्दार कर दिया है, आईन्दा मेरा व मेरे वारसान का कोई भी वास्ता या हक उपरोक्त वर्णित विकीत सम्पत्ति से बिल्कुल नहीं होगा । खरीद्दार मेरी बजाए उपरोक्त वर्णित विक्रीत रकबा का पूर्णरूप से मालिक व काबिज हो गया है। खरीद्दार को मैंने उपरोक्त वर्णित विक्रीत सम्पत्ति का पूर्णरूप से मालिक व काबिज बना दिया है । जो अधिकार व हक उपरोक्त सम्पत्ति की बावत मुझे प्राप्त हैं, आईन्दा ये सभी अधिकार व हक खरीद्दार को प्राप्त होंगे । दाखिल खारिज करा दूँगा या इस दस्तावेज अनुसार दाखिल खारिज कर दिया जाए तो मुझे कोई ऐतराज नहीं होगा । यह सम्पत्ति मैने इससे पहले किसी अन्य को किसी भी रेट व रूप में बन्धित व हस्तांतरित नहीं कर रखी है और ना ही किसी अन्य को किसी भी रेट व रूप में बन्धित व हस्तांतरित करने का करार लिखित या जबानी रूप से कर रखा है । यदि उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति से सम्बन्धित कोई

—शेष पृष्ठ 6 पर जारी—

Scanned by CamScanner

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

हरियाणा HARYANA

A 216686

सरकारी या गैरसरकारी अदायगी बकाया होगी तो उसका मैं देनदार जिम्मेवार रहूंगा । यदि मेरे टाईटल में कोई नुक्स या जेरबारी निकलेगी या कोई दीगर शख्स दावेदार होगा या कोई गलत ब्यानी निकलेगी या सम्पत्ति कुल या जुज अगर खरीददार के कब्जा से निकल जाएगी तो इन सभी सूरतों मे मैं व मेरी दीगर जायदाद व मेरे वारसान व मेरे वारसान की जायदाद बमय हर्जा खर्चा के देनदार व जिम्मेवार होगी । खरचा रजिस्ट्री विक्रयपत्र मय स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन फीस आदि सब का सब खरीददार ने लगाया है । अतः मैंने खूब सोच समझकर, बिना किसी बहकाव व धमकाव के, पूरे होशो हवास में, इन्द्रियों की स्वस्थ एवं

--शेष पृष्ठ 7 पर जारी--

भारतीय गैर न्यायिक 15000रु.
INDIA NON JUDICIAL
पन्द्रह हजार रुपये
RUPEES FIFTEEN THOUSAND
Rs.15000 सत्यमेव जयते Rs.15000
भारत INDIA

हरियाणा HARYANA

351539

चैतन्य अवस्था में, रूबरू गवाहान यह विक्रयपत्र लिख दिया है ताकि सनद रहे और समय पर काम आवे । दिनांक–14–03–2013.

विकेताः– श्री अनिल सुडानी

खरीददारः–श्री राहुल गोयत

गवाह–1

M.C. SAXENA
ADVOCATE
Distt Court. S- 12.
Faridabad

गवाह–2 विजय कुमार सुपुत्र श्री सुरज पाल निवासी एम–6 कैनाल कालौनी, सैक्टर–16 ए फरीदाबाद

Vijay

M. K. GAUR
Advocate
Distt. Courts, Sec.-
Vakalatnama/I C.

Scanned by CamScanner

D 010474

हरियाणा HARYANA

मुखत्यार नामा खास

मैं विदुर सुडानी सुपुत्र श्री अनिल सुडानी सुपुत्र श्री एम0 एल0 सुडानी (मदन लाल सुडानी), निवासी 23, आनन्दलोक, नई दिल्ली–49 का हूं ।

यह कि मौजा अनखीर, तहसील व जिला फरीदाबाद, हरियाणा राज्य में स्थित गैर मुमकिन पहाड़ खेवट नम्बर 208/182 मिन, खतौनी नम्बर 247, मु0न0 7, कीला नम्बर 6/2(0–12), 7/2(6–19), 8(8–0), 9(7–17), 10(7–12), 11(8–0), 12(8–0), 13(8–0), 14(8–0), 15/1(3–10), 17/2(7–0), 18(8–0), 19(8–0), 20(8–0), मु0न0 8, कीला नम्बर 6(6–19), 7(5–17), 8(4–11), 9(4–11), 10(6–3), 11(8–0), 12(8–0), 13(8–0), 14(8–0), 15(8–0), 16(8–0), 17(8–0), 18(8–0), 19(8–0), 20(8–0), 21/1(6–8), 22/1(6–8), 23/1(6–8), 24/1(6–8), 25/1(3–15), मु0न0 9, कीला नम्बर 6(6–11), 7(5–15), 8(4–13), 9/1(2–18), 12/2(6–0), 13(8–0), 14(8–0), 15(8–0), 16(8–0), 17(8–0), 18(8–0), 19/1(6–0), 23/2(5–9), 24/1(6–8), 25/1(6–8), किता 49. कुल रकबा 333 कनाल के 160/6828 भाग, रकबा बाकदर 7 कनाल 16 मरला मिलकियत मकबूजा खुद को बरूवे बयनामा रजि0शुदा इमरौज मुबलिग–24,00,000/–रूपये में पास श्री भूपेन्द्र शर्मा सुपुत्र श्री हरे राम, निवासी सेहतपुर, तहसील व जिला फरीदाबाद, हरियाणा को विक्रय कर दिया है यानि बेच दिया है । जरे बय वसूल पाकर कब्जा दे दिया है । बराए दाखिल खारिज बय बहक मुश्त्री दर्ज व मन्जूर कराने हेतू मैं अपनी तरफ से हेतू मैं अपनी तरफ से श्री राजसिंह सुपुत्र श्री सुबे सिंह, निवासी सन सिलिंग स्टेशन, सूरज कुण्ड फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद को मुखत्यार खास नियुक्त करके अधिकार देता हूं

–शेष पृष्ठ 2 पर जारी–

Scanned by CamScanner